मीरां बाईसा पर आपत्तिजनक बयान देने पर राजपूत समाज में आक्रोश

जयपुर। युवा शक्ति संयोजन के मुख्य ध्वजवाहक शक्ति सिंह बांदीकुई ने आज कानून मंत्री और बीकानेर सांसद अर्जुनराम मेघवाल के भक्त शिरोमणि मीरां बाईसा पर दिए गए आपत्तिजनक और गलत बयानों के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

बांदीकुई ने कहा, "इतिहास पर हमले दर हमले हो रहे हैं, और अब तो सरकार के कानून मंत्री तक हमारे आदर्शों और परंपराओं पर भद्दे बयान देने से नहीं चूक रहे। मंत्री द्वारा मीरां बाईसा के जीवन और हमारे गौरवशाली इतिहास के बारे में किए गए मनगढ़ंत दावों ने न केवल क्षत्रिय समाज, बल्कि समस्त सनातनी समाज की भावनाओं को आहत किया है।"

उन्होंने स्पष्ट किया कि मंत्री का यह कहना कि मीरां बाईसा के पति कुंवर भोजराज की मृत्यु खानवा युद्ध में हुई थी, ऐतिहासिक रूप से पूरी तरह से गलत है। "भोजराज खानवा के युद्ध से छह वर्ष पहले ही स्वर्ग सिधार चुके थे। इसके अलावा, मंत्री मेघवाल का यह दावा कि विवाह के एक साल बाद भोजराज की मृत्यु हो गई थी, भी गलत है। भोजराज का निधन विवाह के सात वर्ष बाद हुआ था, और उनके अंतिम समय में मां मीरा ने स्वयं उन्हें अपनी गोद में लेकर अपने पद पधारो श्रीजी संग सरकार, खुले है मन मंदिर के द्वार, तुम्हारी दासी करे इंतजार, पधारो श्रीजी संग सरकार..... का गायन किया था।"

■ माफ़ी मांगे कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, अन्यथा देशव्यापी आंदोलन होगा

शक्ति सिंह बांदीकुई ने मंत्री के इस बयान को और भी आपत्तिजनक बताया जिसमें उन्होंने कहा कि मीरां बाईसा का देवर उनसे विवाह करना चाहता था। "यह बयान हमारी क्षत्रिय परंपरा और समाज की गरिमा पर गंभीर आघात है। क्षत्रिय समाज में देवर और भाभी के रिश्ते को पवित्रता और मां-पुत्र समान माना जाता है। इस तरह के निराधार बयान न केवल हमारे समाज के आदर्शों का अपमान करते हैं, बल्कि इतिहास के साथ भी छेड़छाड़ करते हैं।"

शक्ति सिंह बांदीकुई ने मांग की कि अर्जुनराम मेघवाल समस्त राजस्थान और क्षत्रिय समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। साथ ही, उन्होंने कहा कि मंत्री को मीरां बाईसा के मेड़ता स्थित मंदिर में जाकर नाक रगड़कर दण्डवत माफी मांगनी चाहिए।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मंत्री मेघवाल माफी नहीं मांगते, तो समूचे देश के मीरा भक्त उनसे जवाब मांगेंगे। "मीरां बाईसा केवल क्षत्रिय समाज का नहीं, बल्कि पूरे भारत का गौरव हैं। उनके नाम और सतीत्व पर अनर्गल टिप्पणियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।"

अंत में, शक्ति सिंह बांदीकुई ने नेताओं को आगाह करते हुए कहा, "मीरां बाईसा को जाति और धर्म की सीमाओं में बांधने का प्रयास न करें। उनके गुरु संत रविदास ने जो संदेश दिया, वह समाज के हर वर्ग और हर धर्म को जोड़ने का था। ऐसे पवित्र व्यक्तित्व पर सस्ता ज्ञान बांटने की कोशिश न करें।"

मुख्यमंत्री ने स्व.अटल बिहारी को पुष्पांजलि अर्पित की

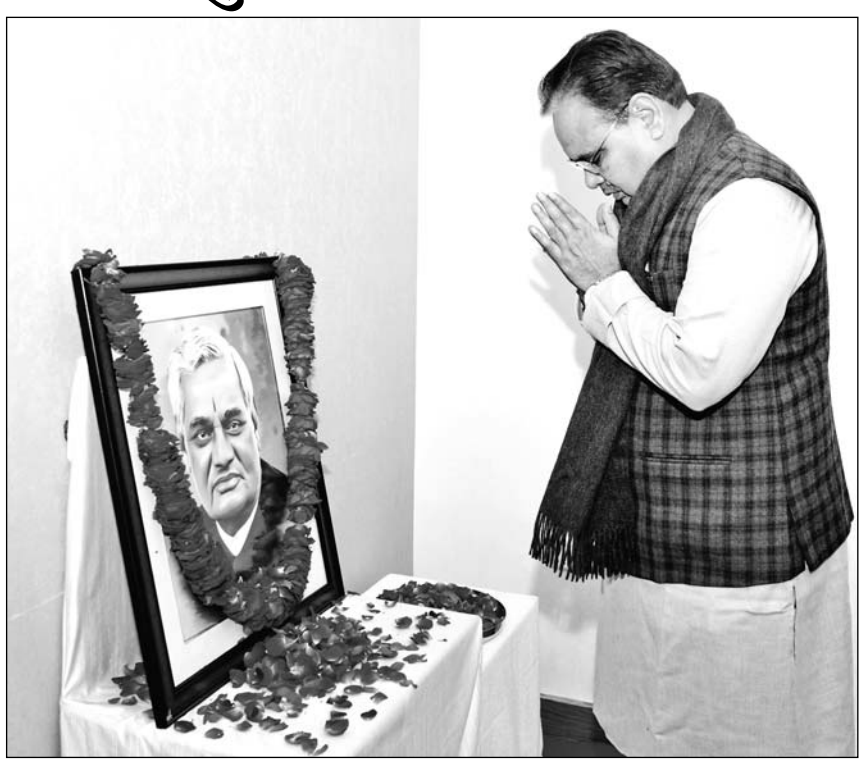

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की। शर्मा ने कहा कि भारत रत्न वाजपेयी भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष थे। वे राजनीति में मर्यादा, धैर्य और सौम्यता के प्रतीक थे। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का अद्वितीय स्त्रोत है। उन्होंने कहा कि वाजपेयी द्वारा प्रारम्भ किए गए स्वर्णिम चतुर्भुज सड़क परियोजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना और सर्वशिक्षा अभियान जैसे जन-कल्याणकारी निर्णयों ने देश को नई दिशा दी। उनके नेतृत्व में मई 1998 में पोकरण में किए गए परीक्षण से भारत परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र बना। मुख्यमंत्री ने कहा कि पारदर्शी और जबावदेह कार्यो के लिए प्रतिबद्धता प्रकट करने के लिए आज पूरा देश उनको नमन करते हुए सुशासन दिवस मना रहा है।

धूमधाम से मनाया क्रिसमस का त्यौहार

जयपुर। ईसाई धर्मावलंबियों ने बुधवार को क्रिसमस का त्यौंहार धूमधाम से मनाया गया। चर्च में प्रार्थना सभा की गई और बच्चों में चॉकलेट और टॉफियां बांटी गई। लोगों ने एक-दूसरे को केक खिलाकर खुशी का इजहार किया। मसीह समाज के लोगों ने अपने घरों में बने केक को एक-दूसरे घर भेजकर क्रिसमस की बधाई दी।

चर्च में सजी झांकियां लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहीं। प्रभु यीशु से जुड़ी झाकियों को देख यहां लोग मंत्र मुग्ध हो गए। इसके साथ ही छोटी-छोटी झोपड़ी भी बनाई गई थीं और उस दौर के परिवेश को दिखाने की कोशिश की गई थी। रंग बिरंगी लाइटें लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही थीं। गिरिजाघरों की रौनक देखते ही बन रही थी। रंगीन फरियों से सजे और रोशनी से जगमगाते चर्च में खास सजावट की गई। घर-घर क्रिसमस ट्री लगाए गए और क्रिसमस केक तैयार किए गए। मसीह समाज के श्रद्धालुओं ने प्रभु यीशु को याद कर एक- दूसरे को केक खिलाकर क्रिसमस की बधाई दी। गिरजाघरों में यीशु के जन्म को दर्शाती हुई झांकियां आकर्षण का केन्द्र रही। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष प्रार्थना सभाओं में यीशु की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने यीशु के सामने मोमबत्तियां जलाकर जीवन में प्रकाश की कामना की और खुशी को

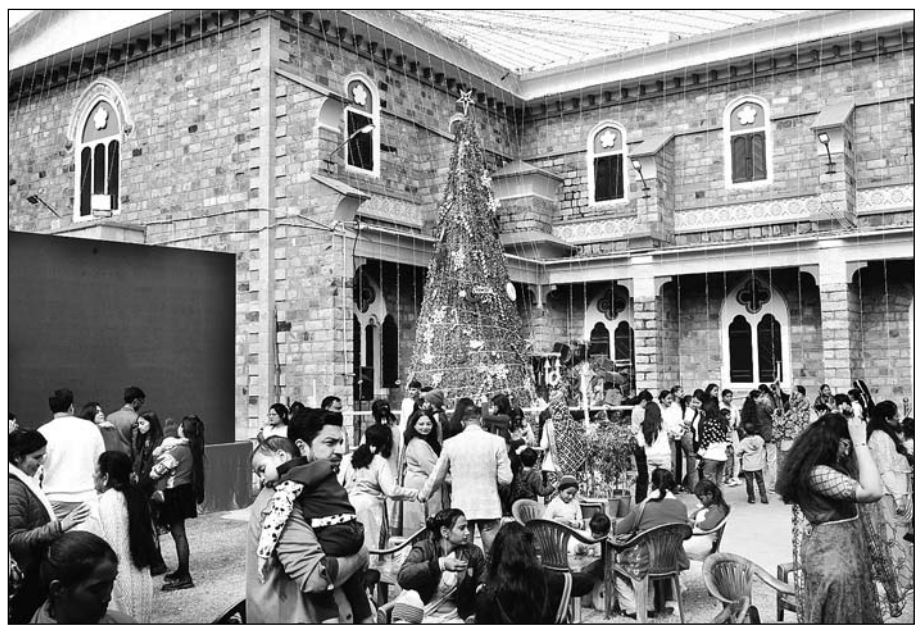

जयपुर में चांदपोल स्थित सेंट एंड्रयूज चर्च में ईसाई श्रद्धालुओं ने क्रिसमस ट्री बनाकर एक-दूसरे को बधाई दी।

घंटियां बजाकर व्यक्ति किया। खुशियां बांटने के लिए केक काटे गए। चर्च में छोटे बच्चे सांता बनकर पहुंचे। वहीं युवा लाल रंग की कैप लगाए हुए नजर आए। सांता ने बच्चों को चॉकलेट, टॉफी दी।

इसी प्रकार घाटगेट स्थित सेक्रेड हार्ट चर्च, चांदपोल स्थित सेंट एंड्रयूज चर्च, निर्मल पथ अजमेर रोड स्थित न्यू अपोस्टोलिक चर्च, सी स्कीम अशोक नगर के सेंट जेवियर्स चर्च, शिप्रा पथ मानसरोवर स्थित मार्थोमा चर्च, चर्च रोड गोपालबाड़ी स्थित ऑल सेंट्स चर्च, विद्याधरनगर स्थित पेंटेकोस्टल मिशन सोसाइटी चर्च, गुर्जर की थड़ी स्थित मोरग्रेगोरियोस जैकोबाइट सीरियन चर्च, अजमेर रोड स्थित न्यू लाइफ फेलोशिप चर्च, मरुधरनगर अजमेर रोड स्थित अगापे फेलोशिप चर्च सहित करीब तीस चर्चों में क्रिसमस का पर्व धूमधाम से मनाया गया।

कार ने बुजुर्ग महिला को टक्कर मारी

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर कार्यालय के सामने डिवाइडर के पास खड़ी महिला को एक कार ने टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई। मामले की जांच दुर्घटना थाना पूर्व पुलिस कर रही है। पुलिस के अनुसार विद्याधर नगर निवासी 71 वर्षीय प्रेमलता पत्नी बजरंग लाल किसी काम से नगर निगम के पास आई थी। 24 दिसम्बर को शाम करीब पांच बजे एक कार ने उसे टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। कार चालक ने ही महिला को जयपुरिया अस्पताल में भर्ती करवाया।

मोटे मुनाफे का लालच देकर 2.30 लाख रु. ठगे

जयपुर। मुहाना इलाके में इन्वेस्ट करने पर मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर एक युवक से 2.30 लाख ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार कृष्णा सरोवर कॉलोनी निवासी अरुण शर्मा ने मामला दर्ज करवाया कि उसके पास इंस्टाग्राम पर एक मैसेज आया। इसमें एक कंपनी में निवेश करने पर मोटा मुनाफे का झांसा दिया गया। इसके बाद उसके पास एक लिंक भेजा गया है। लिंक भेजने वाले ने उसके पास अपना मोबाइल नम्बर भी भेजा था।

इसके बाद पीड़ित ने निवेश करना चालू कर दिया। निवेश करने के बाद उसे शुरुआत में कुछ रुपए लाभांश के रूप में दिया गया। इस प्रकार उसने कई बार में 2.30 लाख रुपए का निवेश कर दिया। आरोपी ने उसे बाद में लाभांश देना बंद कर दिया। पीड़िता ने आरोपी से सम्पर्क किया तो टारगेट पूरा करने के लिए उसे और निवेश करने की बात कहीं। इस पर पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। इस पर पीड़ित ने पुलिस की शरण ली।

जयपुर महानगर के विद्याधर जिला के शास्त्री नगर प्रखंड में शौर्य संचलन का कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसमें 300 से अधिक दुर्गावाहिनी की बहनों ने दंड धारण करके शौर्य संचलन में भाग लिया। कार्यक्रम में जयपुर क्षेत्र की क्षेत्रीय संयोजिका लता ने धर्म रक्षा का संदेश देते हुए आसुरी शक्तियों के खिलाफ जन जागरण और युवतियों को जोड़ने का आव्हान किया। मंच संचालन विद्याधर जिला सह संयोजिका चांदनी के द्वारा रहा एवं मंच पर प्रांत मंत्री राधेश्याम गौतम जिला अध्यक्ष संजय अग्रवाल उपस्थित रहे। जिले और प्रखंड से अन्य दायित्वन कार्यकर्ता भी आयोजन में उपस्थित रहे।

एकल पट्टा मामले में सचिवालय कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जयपुर। राजस्थान के चर्चित एकल पट्टा मामले में अब एक नया मोड़ आ गया है। इस मामले से जुड़ी पत्रावली (फाइल) गुम होने के मामले में 9 साल पहले दर्ज हुई एफ.आई.आर. पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं। अब उस पुरानी एफआईआर को लेकर अशोक नगर थाने में एक नई प्राथमिकी दर्ज हुई है, जिसमें कूटरचित (जाली) दस्तावेजों के आधार पर फाइल की गुमशुदगी थाने में दर्ज करवाने का आरोप सचिवालय के कर्मचारियों पर लगा है। फिलहाल अशोक नगर थाना पुलिस इस पूरे मामले को लेकर पड़ताल में जुटी है।

थानाधिकारी उमेश बेनीवाल ने बताया कि एकल पट्टा मामले की

■ आरोप है कि वर्ष 2013 में फर्जी दस्तावेजों से अशोक नगर थाने में एकल प्रट्टा प्रकरण की फाइल गुम होने की रिपोर्ट दर्ज करायी गई थी

जांच कर रही समिति के सचिव रवि शर्मा ने मुकदमा दर्ज करवाया है कि शासन सचिवालय के कर्मचारियों ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर एकल पट्टा प्रकरण की पत्रावली की गुमशुदगी 29 अगस्त 2013 को अशोक नगर थाने में दर्ज करवाई थी। ऐसे में सचिवालय के कर्मचारियों के खिलाफ यह नया मुकदमा दर्ज हुआ है, जिसकी जांच थानाधिकारी उमेश बेनीवाल कर रहे हैं।

गौरतलब है कि एकल पट्टा प्रकरण से जुड़ी फाइल गुम होने की रिपोर्ट 29 अगस्त 2013 को अशोक नगर थाने में दर्ज हुई थी। एकल पट्टा मामले की जांच कर रही समिति की पड़ताल में यह सामने आया कि उस समय कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर फाइल गुम होने की रिपोर्ट अशोक नगर थाने में दर्ज करवाई गई थी। ऐसे में रिपोर्ट दर्ज करवाने वाले कर्मचारियों के खिलाफ अब आईपीसी की धारा 420, 465, 467, 468 और 120बी के तहत यह मुकदमा दर्ज हुआ है।

भाजपा आज मनाएगी "वीर बाल दिवस"

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 26 दिसंबर को देशभर में "वीर बाल दिवस" मनाया जाएगा। वीर बाल दिवस पर सिख गुरू गोविंद सिंह के पुत्र साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत की स्मृति में प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। भाजपा मुख्यालय पर साहिबजादों की शहादत की स्मृति में शब्द कीर्तन होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सुबह 11 बजे कार्यक्रम में सम्मलित होंगे।

उन्होंने बताया कि वीर बाल दिवस पर प्रदेश मुख्यालय के साथ प्रत्येक मंडल पर एक विशेष सभा का आयोजन कर साहिबजादों के बलिदान के बारे में युवाओं को बताया जाएगा। इसके साथ ही स्थानीय गुरूद्वारा में शब्द कीर्तन, मंडल एवं जिलों में प्रभात फेरी का भी आयोजन किया जाएगा। इस दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के साथ जिला स्तरीय बौद्धिक संगोष्ठी, स्कूल-कॉलेजों में विचार संगोष्ठी के साथ भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा।

भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेशभर में सभी जिला मुख्यालयों पर वीर बाल दिवस मनाया जाएगा। इसके लिए भाजपा की ओर से प्रदेश स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया गया है। समन्वय समिति में प्रणवेंद्र शर्मा को संयोजक, सह संयोजक सरदार अजयपाल सिंह, जितेंद्र मीणा, डॉ अशोक यादव, विक्रम सिंह शेखावत, डॉ चंद्रदीप हाडा को बनाया गया है।

लूट-डकैती व हत्या के मामलों में लिप्त 24 बदमाश गिरफ्तार

जयपुर पुलिस ने "ऑपरेशन हाईड आउट सर्च" अभियान चलाया

जयपुर (कासं)। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की पुलिस जिला पुलिस ने ऑपरेशन हाईड आउट सर्च के तहत बुधवार को चौबीस मोस्ट वांटेड आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन बदमाशों पर डकैती,लूट और हत्या समेत कई मामले दर्ज थे और लंबे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस इन आरोपियों को पकड़कर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि एक अक्टूबर से ऑपरेशन हाईड आउट सर्च चलाया जा रहा है। इस ऑपरेशन के तहत जिला और थाना स्तर पर अलग-अलग टीम बनाकर छापेमारी की गई थी। इस दौरान ऐसे आरोपियों का डाटा तैयार किया और जिनके खिलाफ से ज्यादा बार चालान पेश हो रखे थे। इसके साथ ही जो बार-बार अपराध कर रहे थे। टीम की ओर से अलग-अलग जगह पर छापेमारी कर इन चौबीस मोस्ट बदमाशों की गिरफ्तारी की है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि झालावाड से तारा मीणा निवासी कालवाड,चौमू से मुकेश सैनी निवासी ब्रहमपुरी, विजय कुमार मीणा निवासी जयपुर, भांकरोटा से संजय चौधरी निवासी भरतपुर,चित्रकूट से अजीत चौधरी निवासी सदर जयपुर,बनीपार्क से रमेश कश्यप निवासी यूपी,प्रकाश कश्यप यूपी,करधनी से राहुल यादव निवासी झोटवाड़ा, मुरलीपुरा से दशरथ सिंह निवासी नागौर,अजय सिंह उर्फ दिलीप सिंह निवासी करधनी जयपुर,दौलतपुरा से राकेश यादव निवासी श्रीमाधोपुर ,झोटवाड़ा से नरेन्द्र सिंह निवासी दूदू जयपुर,चौमू से कैलाश नायक निवासी चौमू, करधनी विजय सिंह निवासी करधनी जयपुर,रामस्वरूप, राजेन्द्र कुमार स्वामी उर्फ गज्जू,मुरलीपुरा से विरेन्द्र यादव,चौमू से संतोष उर्फ संतु मीणा, सिंधी कैंप से साहिल मंसूरी उर्फ एलम,वैशाली नगर से नदां उर्फ नंदकिशोर राम नारायण उर्फ रूपा मीणा और बनीपार्क से हिमांशु जांगिड़ को गिरफ्तार किया है।

सांता क्लॉज के साथ झूमे बाल कैंसर रोगी

जयपुर (कासं)। भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र में बुधवार को बाल कैंसर रोगियों के लिए क्रिसमस डे सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया। सेलिब्रेशन के दौरान जब लाल ड्रेस पहनकर सान्ताक्लॉज बच्चों के बीच आए तो सभी बच्चों के चेहरे पर ख़ुशी और उत्साह की लहर दौड़ गई। कैंसर केयर (महिला प्रकोष्ठ) और ड्रीम्ज़ फाउंडेशन के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों के लिए मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गई। समारोह की मुख्य अतिथि कैंसर केयर संरक्षिका सुनीता गहलोत ने कहा कि ये सभी बच्चे फाइटर है। इनमें कुछ बच्चे कैंसर की जंग जीत चुके है और कुछ की जंग अभी जारी है। हमें इन बच्चों से सीखना चाहिए कि किस तरह जीवन में हर हाल में खुश रहे। इस दौरान सुनीता गहलोत की संगीतमय प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया।

भांकरोटा अग्निकांड में घायल युवती सहित तीन और लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ा

अजमेर-जयपुर एक्सप्रेस हाईवे पर गत 20 दिसंबर को ट्रक की टक्कर के बाद एल.पी.जी. गैस टैंकर में ब्लास्ट हुआ था, अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी

जयपुर (कासं)। भांकरोटा इलाके में अजमेर-जयपुर एक्सप्रेस हाईवे पर 20 दिसंबर की सुबह एलपीजी गैस टैंकर ब्लास्ट में गंभीर रूप से झुलसी युवती सहित तीन और लोगों की बुधवार को उपचार के दौरान सवाई मानसिंह अस्पताल में मौत हो गई। पिछले 4 दिन में मरने वालों की संख्या अब 18 पहुंच गई है। इसमें एक पूर्व आईएएस भी शामिल है।

पुलिस के अनुसार एलपीजी गैस टैंकर ब्लास्ट में गंभीर रूप से झुलसे विजेता (22) निवासी प्रतापगढ़ (राजस्थान) विजेंद्र (36) निवासी भुरीबड़ाज पावटा (जयपुर) और बंसीलाल (35) की बुधवार सुबह मौत हो गई। विजेता और विजेंद्र 70-70 प्रतिशत झुलसे थे। गंभीर रूप से झुलसे 15 मरीजों का अभी सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के बर्न वार्ड में इलाज चल रहा है। दोनों के शवों को एसएमएस अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दी है। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम होने के बाद शव परिजनों को दिए जाएंगे।

गौरतलब है कि मंगलवार को भी दो लोगों की मौत हुई थी। इसमें एटा (यूपी) के रहने वाले नरेश बाबू और नूंह (हरियाणा) के यूसुफ शामिल हैं। एसएमएस प्लास्टिक सर्जन डॉक्टर राकेश जैन ने बताया कि अब तक उठारह लोगों की मौत हो चुकी है। मंगलवार को दो लोगों की मौत के बाद बुधवार को भी सुबह दो लोगों ने और दोपहर को एक व्यक्ति ने दम तोड़ा। जिनमें एक महिला और दो पुरुष शामिल हैं।

अब गंभीर रूप से घायल एक मरीज को वेंटिलेटर पर रखा गया है। इसे मिलाकर पन्द्रह लोगों का इलाज चल रहा है। इसके अलावा पांच अन्य मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। तीन को सोमवार को और दो को मंगलवार को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज किया गया था।

■ इस हादसे में गंभीर रूप से झुलसे 15 मरीजों का अभी सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के बर्न वार्ड में इलाज चल रहा है।

गौरतलब है कि अजमेर रोड पर भांकरोटा डीपीएस स्कूल के पास बीस दिसंबर को हुए हादसे में चार लोग मौके पर ही जिंदा जल गए थे। आठ लोगों ने उसी दिन सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ा था। एक मौत जयपुरिया हॉस्पिटल में हुई थी।

टैंकर में गैस लीकेज के बाद आग इतनी तेजी से फैली थी कि चालीस से ज्यादा गाड़ियां उसकी चपेट में आ गई थी। टैंकर के ठीक पीछे चल रही एक स्लीपर बस और हाईवे किनारे मौजूद पाइप फैक्ट्री भी जल गई थी।

एक्सीडेंट की वजह से बस का दरवाजा एक ट्रक से चिपक गया। इस कारण उसमें सवार चौतीस लोगों को बाहर निकलने की जगह ही नहीं मिली। बड़ी मुश्किल से ड्राइवर वाले गेट से लोगों को बाहर निकाला गया। आग बुझने के बाद कई शवों को पोटली में डालकर अस्पताल ले जाया गया था।

भांकरोटा एलपीजी अग्निकांड में चौथे अज्ञात मृतक की पहचान हो गई है। मृतक कालूराम पुत्र डालूराम चित्तौड़गढ़ निवासी है और वह उदयपुर से जयपुर आने वाले बस का खलासी था। मृतक की पहचान उसके पुत्र व पुत्री के डीएनए के मिलान से हुआ है। मृतक की पहचान को लेकर चार दिन से जयपुर पुलिस ने चितौड़गढ़ में डेरा डाल रखा था।

मृतक के पास मिले आधार कार्ड में अधूरा नाम-पता लिखा था। मंगलवार को परिजनों का पता चलने पर डीएनए सेम्पल लेकर उसका मिलान किया गया ।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि एलपीजी टैंकर के ड्राइवर के जिंदा मिलने के बाद एक अधजले शव की पहचान नहीं हो पा रही थी। हादसे में एक मृतक को छोड़कर सभी की पहचान हो चुकी थी।

उदयपुर की लेकसिटी ट्रैवल्स की बस के खलासी कालूराम जाटिया का पता नहीं चला है। चितौड़गगढ़ में उनके शंभूपुरा स्थित घर पर टीम भेजी गई। वहां उनके परिजन नहीं मिले। उनके पिता काफी समय पहले डबोक एयरपोर्ट पर चौकीदारी का काम करते थे।

वहां भी टीम भेजकर परिजनों की जानकारी जुटाई गई। परिजनों का पता चलने के बाद शव के डीएनए का मिलान करवाया गया।

'भाजपा का कार्यकर्ता वाजपेयी के पद चिन्हों का अनुसरण कर रहा है'

जयपुर। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती पर बोलते हुए हरियाणा के प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि कोई चलता है पदचिन्हों पर तो कोई पद चिन्ह बनाता है।

उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ऐसी शख्सियत थे कि उन्होंने जो पद चिन्ह बनाएं उसका अनुसरण भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता करता है। डॉ. पूनिया ने कहा कि अटलजी की समाधि का नाम सदैव अटल है और युगों-युगों तक जब तक यह सृष्टि रहेगी अटल बिहारी वाजपेयी का नाम रहेगा। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि जब हमने अपने विचार और संगठन की शुरूआत जनसंघ के तौर पर की थी तब उस समय हमारे राजनीतिक विरोधी मजाक उड़ाते थे। हमारे विरोधी बोलते थे कि जिस दिए में तेल नहीं, सरकार चलाना खेल नहीं। डॉ. पूनिया ने कहा कि हमने तीन प्रतिशत और तीन सीटों से शुरूआत की। दुनिया ने भाजपा के विचारों की प्रबलता देखी और हम देश की हुकुमत पर 303 सीटों पर काबिज हुए।

डा. सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा के शुरूआती दौर में लोग यह भी कहते थे कि संगठन बनाना सपने जैसा है। वाजपेयी की कही गई पंक्तियों को याद करते हुए डॉ.पूनिया ने कहा कि 1980 के भाजपा अधिवेशन में अटलजी ने कहा था "अंधेरा हटेगा, सूरज उगेगा, कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि आज निश्चित तौर पर भाजपा का स्वर्णिम कमल पूरी दुनिया के नक्शे पर खिल रहा है। भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है।" उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने जो हौंसला और प्रेरणा हमें दी।